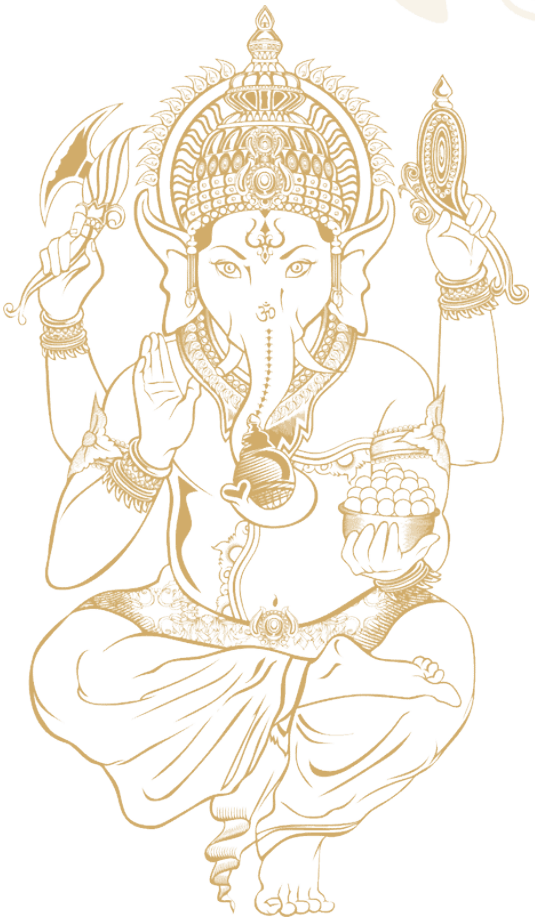

Mr.

02 Apr 2026

04:19 PM

Alwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121858405

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/04/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**16:19:00 घंटे**
इष्ट	25:13:29 घटी
स्थान	**Alwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:32:00 उत्तर
रेखांश	76:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:55:20 घंटे
वेलान्तर	-00:03:36 घंटे
साम्पातिक काल	04:38:32 घंटे
सूर्योदय	06:13:36 घंटे
सूर्यास्त	18:41:26 घंटे
दिनमान	12:27:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	18:28:54 मीन
लग्न के अंश	17:43:04 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	व्याघात
करण	बालव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ठ-ठाकुर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	17:43:04	318:25:38	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	---
सूर्य			मीन	18:28:54	00:59:10	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	22:38:27	12:31:46	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
मंगल		अ	मीन	00:01:37	00:46:54	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
बुध			कुंभ	20:45:13	00:55:15	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
गुरु			मिथु	21:39:11	00:04:10	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	09:12:06	01:13:49	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
शनि		अ	मीन	11:30:09	00:07:27	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:26:57	00:04:57	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:26:57	00:04:57	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:35:56	00:02:39	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	08:01:59	00:02:15	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	11:00:50	00:00:56	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	16:57:58	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

लग्न-चलित

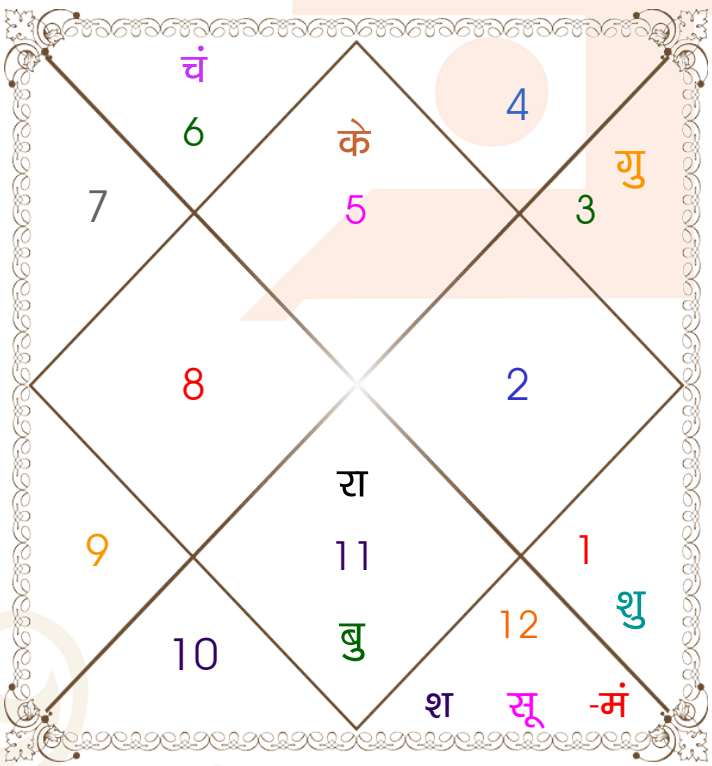

चन्द्र कुंडली

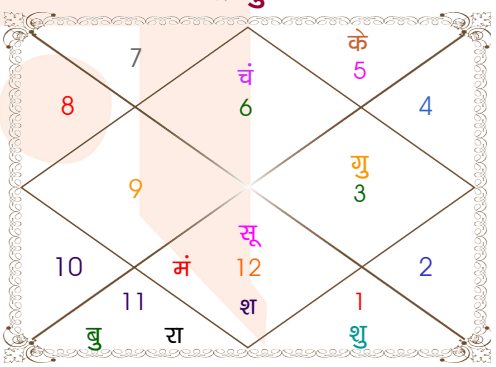

नवमांश कुंडली

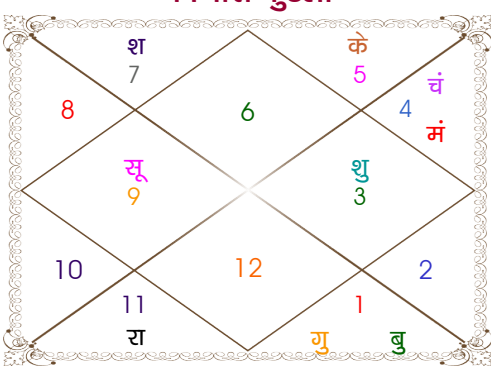

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 0 वर्ष 6 मास 7 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
02/04/2026		09/10/2026		09/10/2033		09/10/2051		09/10/2067	
09/10/2026		09/10/2033		09/10/2051		09/10/2067		09/10/2086	
	00/00/0000	मंगल	07/03/2027	राहु	21/06/2036	गुरु	26/11/2053	शनि	12/10/2070
	00/00/0000	राहु	25/03/2028	गुरु	14/11/2038	शनि	09/06/2056	बुध	21/06/2073
	00/00/0000	गुरु	28/02/2029	शनि	20/09/2041	बुध	15/09/2058	केतु	31/07/2074
	00/00/0000	शनि	09/04/2030	बुध	09/04/2044	केतु	21/08/2059	शुक्र	29/09/2077
	00/00/0000	बुध	06/04/2031	केतु	27/04/2045	शुक्र	21/04/2062	सूर्य	11/09/2078
	00/00/0000	केतु	03/09/2031	शुक्र	27/04/2048	सूर्य	08/02/2063	चंद्र	12/04/2080
	02/04/2026	शुक्र	02/11/2032	सूर्य	22/03/2049	चंद्र	09/06/2064	मंगल	22/05/2081
शुक्र	09/04/2026	सूर्य	10/03/2033	चंद्र	21/09/2050	मंगल	16/05/2065	राहु	28/03/2084
सूर्य	09/10/2026	चंद्र	09/10/2033	मंगल	09/10/2051	राहु	09/10/2067	गुरु	09/10/2086

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
09/10/2086		10/10/2103		10/10/2110		10/10/2130		09/10/2136	
10/10/2103		10/10/2110		10/10/2130		09/10/2136		00/00/0000	
बुध	07/03/2089	केतु	07/03/2104	शुक्र	08/02/2114	सूर्य	27/01/2131	चंद्र	10/08/2137
केतु	04/03/2090	शुक्र	07/05/2105	सूर्य	09/02/2115	चंद्र	29/07/2131	मंगल	11/03/2138
शुक्र	02/01/2093	सूर्य	12/09/2105	चंद्र	09/10/2116	मंगल	04/12/2131	राहु	10/09/2139
सूर्य	08/11/2093	चंद्र	13/04/2106	मंगल	09/12/2117	राहु	28/10/2132	गुरु	09/01/2141
चंद्र	09/04/2095	मंगल	09/09/2106	राहु	09/12/2120	गुरु	16/08/2133	शनि	10/08/2142
मंगल	06/04/2096	राहु	28/09/2107	गुरु	10/08/2123	शनि	29/07/2134	बुध	09/01/2144
राहु	24/10/2098	गुरु	03/09/2108	शनि	10/10/2126	बुध	04/06/2135	केतु	09/08/2144
गुरु	30/01/2101	शनि	13/10/2109	बुध	10/08/2129	केतु	10/10/2135	शुक्र	03/04/2146
शनि	10/10/2103	बुध	10/10/2110	केतु	10/10/2130	शुक्र	09/10/2136		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 0 वर्ष 6 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।